TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

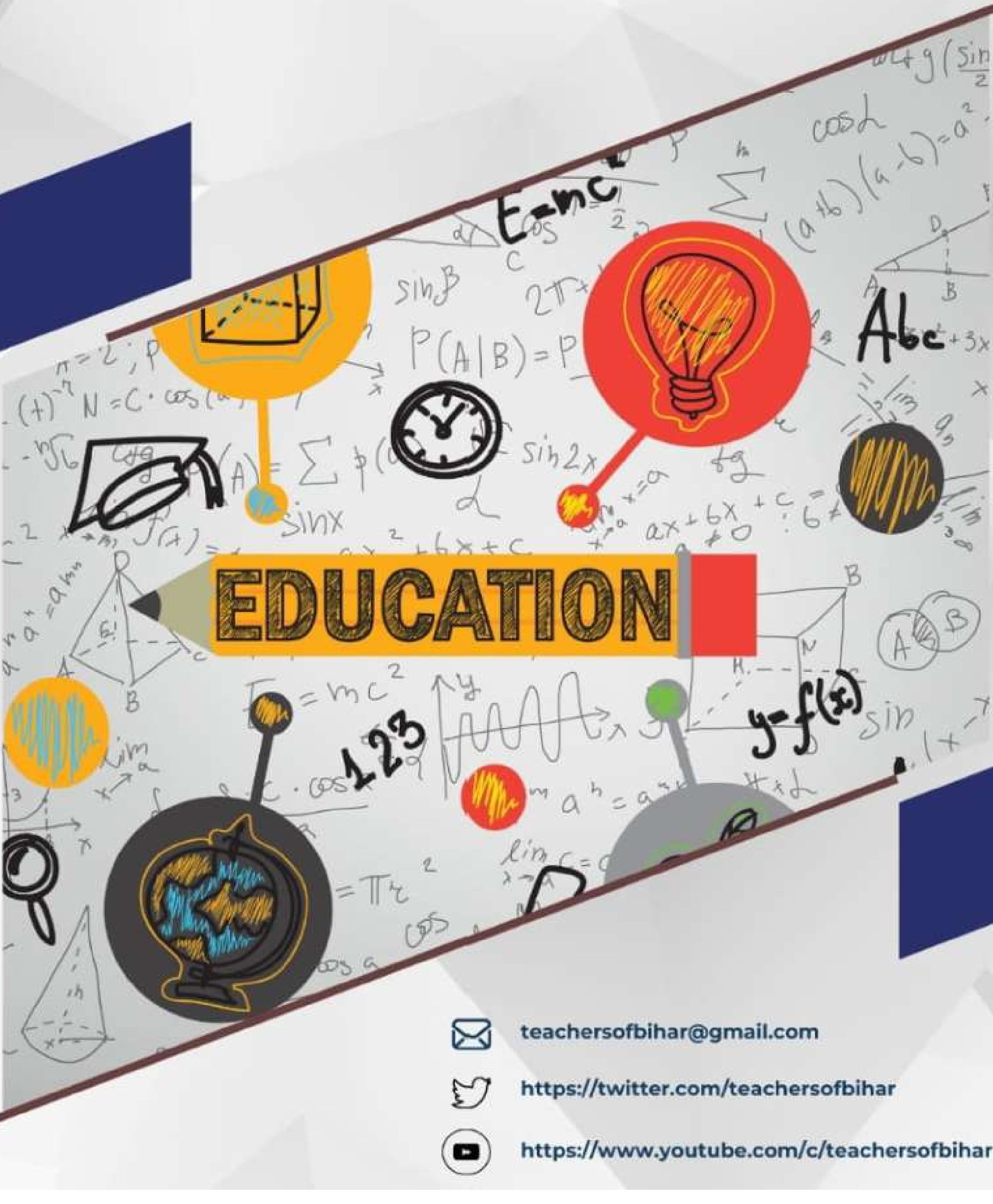

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

22 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

ईमानदारी से बड़ी कोई विरासत नहीं है ।

विलियम शेक्सपियर

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस ज्ञान

22 जनवरी

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार 22 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"परिवर्तन से डरना और संघर्ष से कतराना, मनुष्य की सबसे बड़ी कायरता है।"

आज के दिन

1531– ब्रिटेन के गणितज्ञ और दार्शनिक फ्रांसीस बेकन का जन्म।

1775– फ्रांस के भौतिकशास्त्री और गणितज्ञ आन्द्रे मेरी ऐम्पियर का जन्म हुआ।

1788– जार्ज गोईन बायरन नामक ब्रिटिश कवि का जन्म।

1901– महारानी विक्टोरिया का निधन। महारानी विक्टोरिया ने 1837 में ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैण्ड की महारानी के रूप में सिंहासन संभाला और अपनी मृत्यु तक इस पर आरूढ़ रहीं।

1922– सोवियत संघ की स्थापना की गई।

1924– रैमसे मैकडोनाल्ड ब्रिटेन में लेबर पार्टी के पहले प्रधानमंत्री बने।

1963– देहरादून में दृष्टिहीनों के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय की स्थापना हुई।

1965– पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में इस्पात कारखाना शुरू हुआ।

1976– कर्नाटक शैली के प्रसिद्ध गायक और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता टी.एम. कृष्णा का जन्म।

1. **ठाकुर रोशन सिंह का जन्म–** ठाकुर रोशन सिंह भारत की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारियों में से एक थे। 22 जनवरी, 1892 ई. को उनका जन्म हुआ था।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** हिन्दी के शिक्षक बच्चों को 'लड़की के पिता' कहानी को बच्चों को सुनायें।

2. **मुगल बादशाह शाहजहाँ का निधन–** शाहजहाँ अकबर के पोते और पाँचवें मुगल बादशाह थे। शाहजहाँ अपनी न्यायप्रियता और वैभवविलास के कारण अपने काल में बड़े लोकप्रिय रहे। वर्ष 1657 में दिल्ली में रहते हुए शाहजहाँ को मूत्र रोग हो गया था और इसकी वजह से वह बेहद बीमार रहने लगे थे। इसी बीच उत्तराधिकार को लेकर उनके पुत्रों में लड़ाई शुरू हो गई। उनके पुत्र औरंगजेब ने पिता शाहजहाँ को आगरे के किले में कैद कर दिया। 8 वर्षो तक आगरा के किले के शाहबुर्ज में कैद रहा। उसका अंतिम समय बड़े दुःख और मानसिक क्लेश में बीता था। उस समय उसकी प्रिय पुत्री जहाँआरा उसकी सेवा के लिए साथ रही थी। शाहजहाँ ने उन वर्षों को अपने वैभवपूर्ण जीवन का स्मरण करते और ताजमहल को अश्रुपूरित नेत्रों से देखते हुए बिताये थे। मुगल बादशाह शाहजहाँ का निधन 22 जनवरी, 1666 ई. को आगरा के किले में मुसम्मन बुर्ज पर 74 वर्ष की आयु में हुई थी। उसकी मृत्यु के बाद साधारण नौकरों द्वारा ताजमहल में उसकी पत्नी के कब्र के पार्श्व में ताजमहल में ही दफनाया गया था।
   - **संदर्भः** इतिहास के शिक्षक बच्चों को **अतीत से वर्तमान भाग 2, पाठ 4 अथवा पृष्ठ 73–74** के संदर्भ में शाहजहाँ के अंतिम दिनों बारे में अर्थात् शाहजहाँ के उत्तराधिकार की लड़ाई के बारे में बतायें।

3. **वांडिवाश का युद्ध–** वांडीवाश का युद्ध 22 जनवरी, 1760 ई. को अंग्रेजी सेना और फ्रांसीसियों को मध्य लड़ा गया था। अंग्रेजी सेना ने सर आयरकूट के नेतृत्व में वांडिवाश, (तमिलनाडु) में फ्रांसीसियों को बुरी तरह से हराया। फ्रांसीसियों को पाण्डिचेरी अंग्रेजों को सौपना पड़ा। इस विजय के साथ ही अंग्रेजों ने भारत में फ्राँसीसियों की राजनीतिक शक्ति समाप्त कर दी।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 3, पृष्ठ 24** के संदर्भ में बच्चों को अंग्रेजों और फ्रांसीसियों के बीच युद्ध के बारे में बतायें।

4. **खूनी रविवार–** 22 जनवरी, 1905 को रूस की जार सेना ने शांतिपूर्ण मजदूरों तथा उनके बीबी–बच्चों के एक जुलूस पर गोलियाँ बरसाई, जिसके कारण हजारों लोगों की जान गई। इस दिन चूँकि रविवार था, इसलिए यह खूनी रविवार के नाम से जाना जाता है। 22 जनवरी, 1905 को रविवार के दिन हड़ताली श्रमिकों ने एक बड़ा जुलूस निकाला जिससे पूरा सेंट पीटर्सबर्ग, आंदोलनकारियों से भर चुका था। बीबी–बच्चों के साथ मजदूरों का एक विशाल जुलूस जार को एक प्रार्थना पत्र देने के लिए सेंट पीट्सबर्ग स्थित राजा के महल के तरफ बढ़ना शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग छोटे भगवान हमें रोटी दो के नारे लगा रहे थे। जार यह चाहता था कि लाग उसे भगवान की तरह पूजें। सरकार के सैनिकों ने निहत्थे श्रमिकों पर गोलियों की बारिश कर दिया। इससे एक हजार से अधिक मजदूर मारे गए और हजारों घायल हुए। महल के सामने का मैदान पूरी तरह खून से लबालब हो गया था। इसलिए इस दिन को 'खूनी रविवार' के नाम से जाना जाता है। इस नरसंहार की खबर सुनकर पूरे रूस में सनसनी फैल गयी।
   - **संदर्भः NCERT की वर्ग नवम् की इतिहास की पाठ्यपुस्तक के अध्याय 2 'रूस की क्रांति'** से जोड़कर बतायें।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

22 जनवरी

मधु प्रिया

ठाकुर रोशन सिंह का जन्म 22 जनवरी

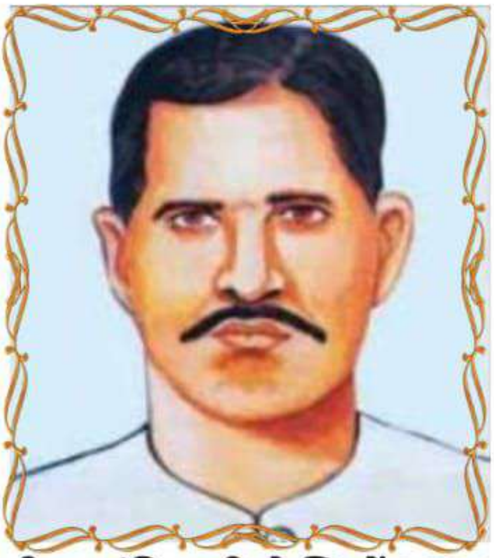

रोशन सिंह एक भारतीय क्रांतिकारी थे जिन्हें 1921-22 के असहकार आंदोलन के समय बरेली शूटिंग केस में सजा सुनाई गयी थी। बरेली सेंट्रल जेल से रिहा होने के बाद 1924 में वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन में शामिल हो गये। जबकि काकोरी हत्या कांड में उनका हाथ नही था लेकिन फिर भी उन्हें गिरफ्तार किया गया और ब्रिटिश सरकार ने उन्हें मौत की सजा सुनाई। क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह का जन्म उत्तरप्रदेश के ख्यातिप्राप्त जनपद शाहजहांपुर में स्थित गांव नबादा में 22 जनवरी 1892 को हुआ था। उनकी माता का नाम कौशल्या देवी और पिता का नाम ठाकुर जंगी सिंह था। ठाकुर रोशन सिंह ने छह दिसंबर 1927 को इलाहाबाद नैनी जेल की काल कोठरी से अपने एक मित्र को पत्र में लिखा था। एक सप्ताह के भीतर ही फांसी होगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप मेरे लिए रंज हरगिज न करें। मेरी मौत खुशी का कारण होगी। दुनिया में पैदा होकर मरना जरूर है। दुनिया में बदफैली करके अपने को बदनाम न करें और मरते वक्त ईश्वर को याद रखें, यही दो बातें होनी चाहिए। ईश्वर की कृपा से मेरे साथ यह दोनों बातें हैं। इसलिए मेरी मौत किसी प्रकार अफसोस के लायक नहीं है।इन्हें 19 दिसंबर 1927 को इलाहाबाद जेल में फाँसी दे दी गई थी।

Your paragraph text /teachersofbihar

हरिवंश राय बच्चन जी का जन्म 27 नवम्बर 1907 को

जयंती विशेष 22 जनवरी

राकेश कुमार

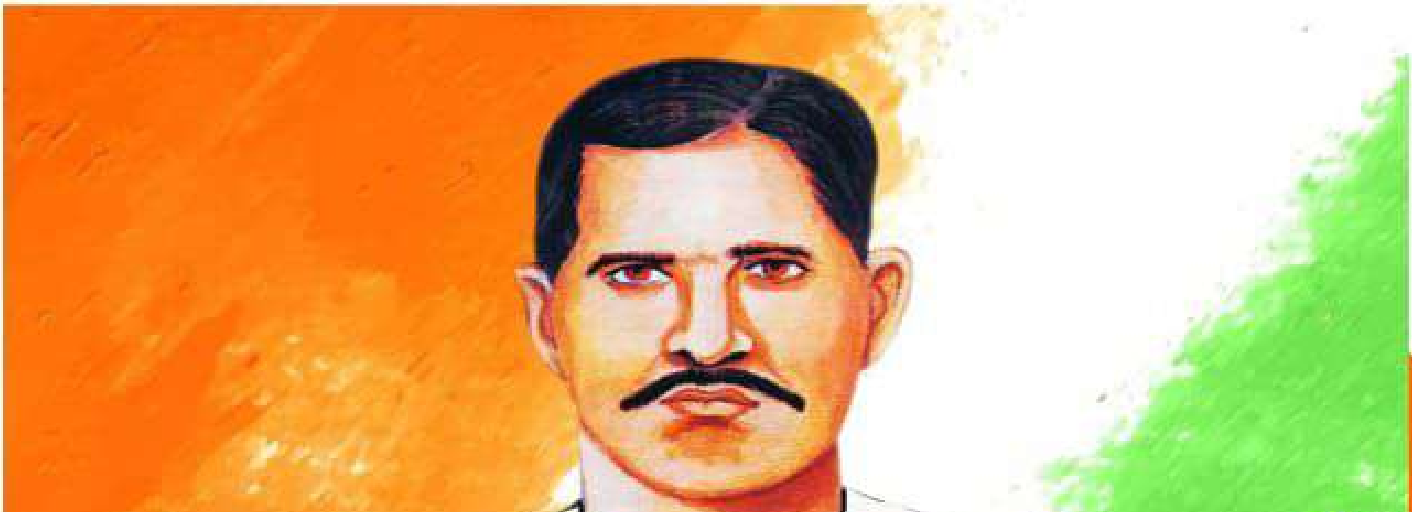

ठाकुर रोशन सिंह Thakur Roshan Singh; जन्म- 22 जनवरी, 1892, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश; शहादत- 19 दिसम्बर, 1927, नैनी जेल, इलाहाबाद) भारत की आज़ादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारियों में से एक थे।

दिवस प्रेरणा 22

मैक्सिम गोर्की

(महान साहित्यकार)

जहाज में बर्तन धोने का काम भी करना पड़ा ...

संघर्ष

रूसी महान साहित्यकार मैक्सिम गोर्की का जीवन अभाव, संघर्ष और आपदाओं से भरा था। जब वे पाँच साल के थे तब पिता का निधन हो गया। उनकी माँ ने जल्द ही पुनर्विवाह कर लिया तथा उन्हें नाना–नानी के पास पलने के लिए छोड़ दिया। उन्होंने एक जहाज में बर्तन धोने का काम भी किया। थोड़ी बहुत समय बच जाता, तो रास्ते में पढ़ लिया करते थे। छोटी बेटी की दुःखद और अचानक मौत के बाद परिवार बिखर गया।

सफलता

मैक्सिम गोर्की को 'गरीब लोगों के साहित्य का पिता' कहा जाता है। उन्होंने रूसी क्रांति के दौर में क्रुरता और अन्याय के खिलाफ लिखा। वर्ष 1892 में उनकी पहली उपन्यास छपी थी। इसके बाद साहित्य की सफलता में उन्होंने कभी पीछे मुडकर नहीं देखा। गोर्की का रूस का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'आर्डर ऑफ द लेनिन' सम्मान से नवाजा गया। उनका नाम पाँच बार नोबेल पुरस्कार के लिए नामित किया गया पर यह सम्मान उन्हें एक बार भी नहीं मिला।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 22.01.2025

ब्लूम टक्सॉनोमी

ब्लूम की वर्गीकरण शिक्षा के अन्तर्गत 'सीखने के उद्देश्यों' के वर्गीकरण से सम्बन्धित है। यह नाम बेंजामिन ब्लूम के नाम पर रखा गया है जो उक्त वर्गीकरण सुझाने वाली समिति के अध्यक्ष थे। ब्लूम टक्सॉनोमी **1956** में बनाया गया था। इसके निर्माता माहान शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ड्र. बेंजामिन ब्लूम हैं। उन्होने इसका निर्माण शिक्षा के क्षेत्र में सोच के उच्च प्रपत्र को बढ़ावा देने के लिए किया था।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान
Rakesh kumar
चीन में एक 21 वर्षीय Shinchan फैन ने 3.5 करोड़ रुपए खर्च कर कार्टून जैसा घर बना दिया है। यह घर हुबहू Shinchan के घर जैसा दिखता है।
www.teachersofbihar.org

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

मैग्नीशियम (Magnesium)

संकेत (Symbol) - **Mg**

परमाणु संख्या (A. number) -12

समूह (group)-2

आवर्त (period)-3

परमाणु भार (A.weight) -24.305

ब्लाक(block)-S

संयोजकता (valancy)- 2

समस्थानिक (isotope)-3

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास - $[Ne]3s^2$

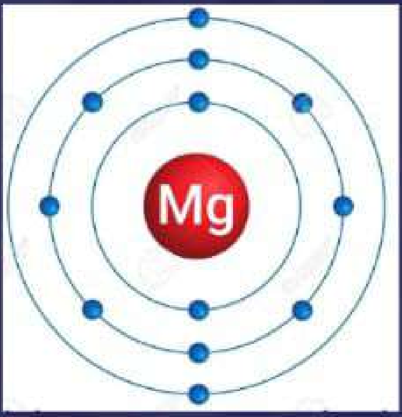

खोज

1755, जोसेफ ब्लैक

भौतिक गुण

चमकीला ग्रे रंग, क्षारीय,सख्त धातु

रासायनिक गुण

हवा में सफेद लौ के साथ जलना,उत्प्रेरक

उपयोग

कांच और सीमेंट उद्योग ,फोटोग्राफी ,आतिशबाजी

Anu priya

Today's Quiz

QUIZ TIME

Quiz Number 502

गणतंत्र दिवस के अवसर पर वर्ष 2025 में किस देश के राष्ट्रपति मुख्य अतिथि हैं ?

A. ब्राजील

B. इंडोनेशिया

C. अमेरिका

D. इज़रायल

आस्ट्रेलियन ओपन

ऑस्ट्रेलियन ओपन का इतिहास

ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रैंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया टेनिस ऑस्ट्रेलिया बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा।

साल का पहला ग्रैंड स्लैम है

टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में US ओपन होता है। US ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

ToB बालमन

सड़क सुरक्षा शिक्षा

सड़क पर चलते समय मुख्य 5 बातें

सड़क पर लगे यातायात चिह्नों का पालन करें।

सड़क पार करते समय दोनों तरफ़ देखें।

सड़क पर चलते समय हमेशा सतर्क रहें और आस-पास की गतिविधियों पर नज़र रखें।

ट्रैफ़िक सिग्नल का पालन करें। लाल बत्ती पर रुकें और हरी बत्ती पर आगे बढ़ें.।

सड़क पर चलते समय मोबाइल फ़ोन का इस्तेमाल न करें।

धीरज कुमार
प्रधान संपदक ToB बालमन
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर (बिहार)

जनवरी 2025

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
विजय आनन्द
22 जनवरी 1934–23 फ़रवरी 2004
Madhu priya
/teachersofbihar

22 जनवरी

ठाकुर रोशन सिंह

की जयंती पर उन्हें सादर नमन

22 जनवरी 1892 - 19 दिसंबर 1927

PUNITA KUMARI

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
जयंती पर नमन
22 जनवरी 1892-19 दिसंबर 1927
ठाकुर रौशन सिंह
Madhu priya
www.teachersofbihar.org